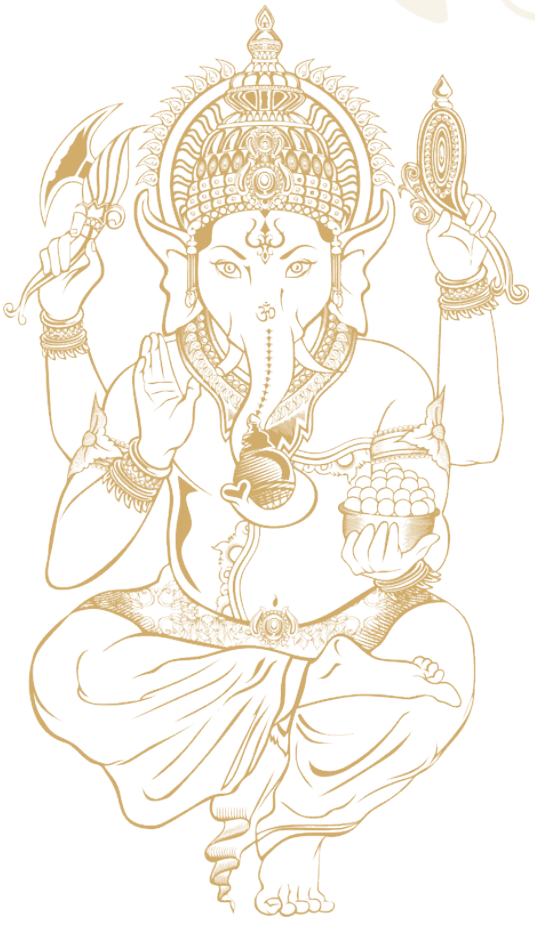

Amit singh

Kritika singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121922002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/03/1998	जन्म तिथि	08/08/2002
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:28:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 24:23:48	जन्म समय(घटी)	30:43:00 घटी
India	देश	India
Kuchaman Road	स्थान	Jaipur
27:01:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
74:58:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:28	सूर्योदय	05:54:32
18:37:21	सूर्यास्त	19:09:38
23:49:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 8मा 20दि	01:06:06	सिंह	लग्न	मक	07:14:31	बुध 14वर्ष 11मा 28दि
राहु	28:49:55	कुंभ	सूर्य	कर्क	21:54:49	शुक्र
02/12/2018	01:43:42	कन्या	चंद्र	कर्क	18:14:20	06/08/2024
01/12/2036	12:57:08	मीन	मंगल	कर्क	22:41:02	06/08/2044
राहु 14/08/2021	15:04:43	मीन	बुध	सिंह	09:44:12	शुक्र 07/12/2027
गुरु 08/01/2024	15:02:23	कुंभ	गुरु	कर्क	07:36:47	सूर्य 06/12/2028
शनि 14/11/2026	13:15:05	मक	शुक्र	कन्या	07:18:31	चन्द्र 07/08/2030
बुध 02/06/2029	25:40:37	मीन	शनि	मिथु	01:44:52	मंगल 07/10/2031
केतु 21/06/2030	16:44:57	सिंह व	राहु व	वृष	22:15:47	राहु 07/10/2034
शुक्र 20/06/2033	16:44:57	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	22:15:47	गुरु 07/06/2037
सूर्य 15/05/2034	17:15:34	मक	हर्ष व	कुंभ	03:25:17	शनि 06/08/2040
चन्द्र 14/11/2035	07:36:43	मक	नेप व	मक	15:31:06	बुध 07/06/2043
मंगल 01/12/2036	14:13:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:05:46	केतु 06/08/2044

लग्न-चलित

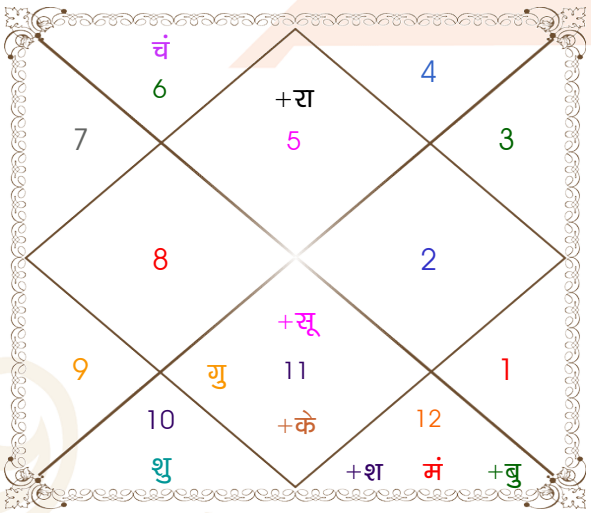

लग्न-चलित

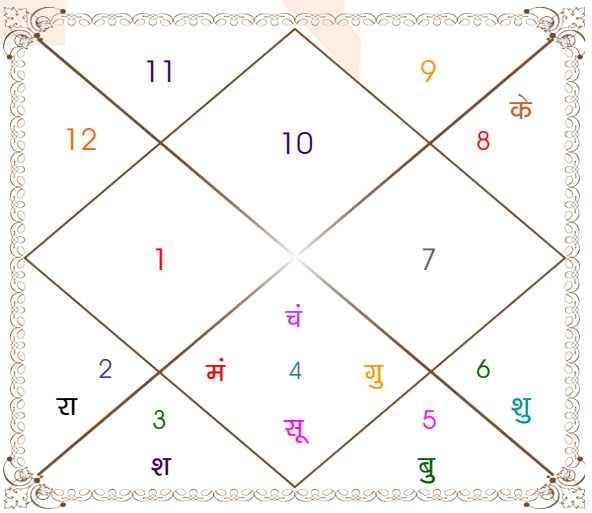

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

।उपज`पदही का वर्ग श्वान है तथा ज्ञतपजपां`पदही का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उपज`पदही और ज्ञतपजपां`पदही का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।उपज`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।उपज`पदही कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञतपजपां`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ञतपजपां`पदही कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञतपजपां`पदही कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ज्ञतपजपां`पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञतपजपां`पदही कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।उपज`पदही तथा ज्ञतपजपां`पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।